# शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में डॉ श्यामा प्रसाद का विशेष योगदान : डॉ आनंद

**रांची.** मारवाड़ी कॉलेज एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विजनरी नेशनलिस्ट एंड कल्चरल थिंकर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता म्यूजियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ आनंद बर्धन ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए जीवन समर्पित किया. उन्होंने शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया. कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि डॉ मुखर्जी के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर छात्र नये कीर्तिमान स्थापित कर सकते हैं. इस दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची क्षेत्र के निदेशक डॉ संजय झा ने भी बातें रखीं. मंच संचालन डॉ कमल कुमार बोस ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमित कुमार ने दिया. व्याख्यान के आयोजन में डीएसपीएमयू के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के समन्वयक डॉ विनोद कुमार का विशेष योगदान रहा.

## डायरेक्टर ने पूरा किया तीन वर्ष का कार्यकाल

---

...ा खबर

# डॉ मुखर्जी ने देश की एकता के लिए जीवन समर्पित कर दिया

**बोले आनंदवर्द्धन**

- मारवाड़ी कॉलेज व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की ओर से विशेष व्याख्यान
- डॉ मनोज कुमार ने कहा- विश्वपटल पर देश को नई पहचान दिला सकते हैं युवा

**रांची, विशेष संवाददाता।** मारवाड़ी कॉलेज और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की ओर से सोमवार को विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। विषय था- दूरदर्शी राष्ट्रवादी और सांस्कृतिक चिन्तक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी। मुख्य वक्ता म्यूजियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ आनंदवर्द्धन ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवनवृत्त को रेखांकित करते हुए कहा कि डॉ मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडाता के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अल्पायु में ही अपनी शिक्षा पूरी कर कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने। हमारे विद्यार्थियों में वह सामर्थ्य है कि डॉ मुखर्जी के जीवन से प्रेरित होते हुए नए कीर्तिमान स्थापित सकते हैं और विश्वपटल पर भारत को नई पहचान दिला सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची क्षेत्र के निदेशक डॉ संजय झा ने कहा कि डॉ मुखर्जी का जीवन अखंडता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित रहा है।

उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी। कार्यक्रम का संयोजन डीएसपीएमयू के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के समन्वयक डॉ विनोद कुमार ने किया।

---

**न्यूज ब्रीफ**

## मारवाड़ी कॉलेज में विजनरी नेशनलिस्ट एंड कल्चरल थिंकर विषय पर व्याख्यान

रांची | मारवाड़ी महाविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के संयुक्त तत्त्वावधान में 'डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विजनरी नेशनलिस्ट एंड कल्चरल थिंकर" विषयक व्याख्यान संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में म्यूजियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ आनंद बर्धन ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित किया व शिक्षा-संस्कृति के क्षेत्र में योगदान दिया।

---

# डा. मुखर्जी सच्चे राष्ट्रवादी थे : डा. आनंद बर्धन

**जागरण संवाददाता, रांची:** भारतीय संग्रहालय महासंघ के अध्यक्ष डा. आनंद बर्धन ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक सच्चा राष्ट्रवादी बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आलोचना में किसी को 'दैवीय' नहीं माना जाता, लेकिन डा. मुखर्जी का कद अद्वितीय है।

डा. बर्धन ने उन्हें 'सर्वतंत्र स्वतंत्र' का प्रबल पक्षधर और भारतीय संस्कृति के गहन अध्येता के रूप में वर्णित किया। यह व्याख्यान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र रांची द्वारा मारवाड़ी कालेज के विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि डा. मुखर्जी केवल राजनेता नहीं थे, सांस्कृतिक चिंतक भी थे। सत्र की अध्यक्षता मारवाड़ी कालेज के प्राचार्य डा. मनोज कुमार ने की। धन्यवाद ज्ञापन डा. अमित कुमार ने किया।

मारवाड़ी कालेज सभागार में आयोजित व्याख्यान में शामिल लोग • जागरण

Classifieds
दैनिक जागरण

# डॉ श्यामा मुखर्जी का जीवन एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा

### डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी दूरदर्शी राष्ट्रवादी व सांस्कृतिक चिंतक व्याख्यान संपन्न

ranchi@inext.co.in

RANCHI (18 Aug) : मारवाड़ी कॉलेज एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (IGNCA) के संयुक्त तत्वावधान में "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : विजनरी नेशनलिस्ट एंड कल्चरल थिंकर" विषयक व्याख्यान विवेकानंद सभागार में हुआ. मुख्य वक्ता म्यूजियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. आनन्द बर्धन थे. उन्होंने डॉ. मुखर्जी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित किया. साथ ही शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान को भी रेखांकित किया.

## असाधारण उपलब्धियां

अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अल्पायु में ही असाधारण उपलब्धियां हासिल कर कलकत्ता विश्वविद्यालय

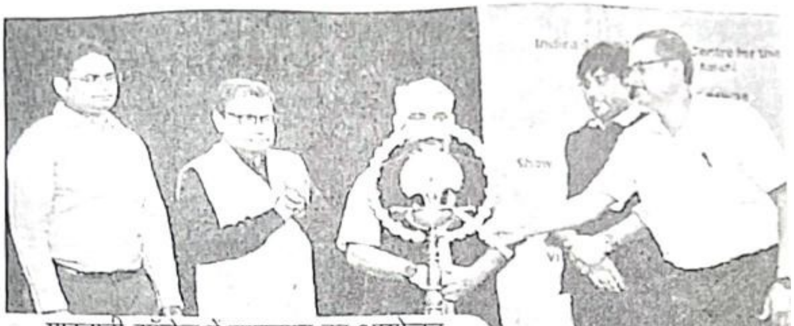

मारवाड़ी कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन.

के कुलपति पद को सुशोभित किया. उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के जीवन संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा लेकर नए कीर्तिमान स्थापित करें और भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाएं. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची क्षेत्र निदेशक डॉ. संजय झा ने कहा कि मुखर्जी का जीवन भारतीय अखंडत सांस्कृतिक पुनर्जागरण को समर्पित र डीएसपीएमयू के भाषा समन्वयक विनोद कुमार का विशेष योगदान

## ये रहे मौजूद

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमल कुमार बोस ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित कुमार ने प्रस्तुत किया. मौके पर कॉलेज के डीएसडब्ल्यू डॉ. तरुण चक्रवर्ती, परीक्षा नियंत्रक डॉ. उमेश कुमार, इग्नू के प्रभारी डॉ. बैद्यनाथ कुमार सहित कई प्राध्यापक, अधिकारी, एनसीसी कैडेट एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. कार्यक्रम में डॉ. सुमन चतुर्वेदी, डॉ. रजू लाल, डॉ. तमन्ना सिंह, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. धनश्याम प्रसाद, डॉ. सीमा चौधरी, डॉ. बसंती रेणु हेमब्रम, लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो, रोनाल्ड पंकज खलखो, संतोष रजवार, डॉ. अशोक कुमार महतो, सुमती तिर्की, जुरा होरो, राजू माझी, डॉ. कुणाल गुप्ता, डॉ. अफताब जमील सहित अनेक शिक्षाविद और शोधार्थी भी मौजूद रहे.